

रक्तदाता सच्चे मानव रक्षक हैं- राज्यपाल 4-2-2017

चण्डीगढ़, 4 जनवरी रक्तदाता सच्चे मानव रक्षक हैं। वे भगवान द्वारा दिए गए जीवन की रक्षा करते हैं। इसलिए रक्तदाता भगवान के बाद दूसरे नम्बर पर आते हैं। ये उद्गार हरियाणा के राज्यपाल प्रो० कप्तान सिंह सोलंकी ने आज रक्तदाताओं और रक्तदान शिविर आयोजित करने वाली संस्थाओं के सम्मान समारोह में मानव सेवकों को सम्मानित करने के बाद अपने सम्बोधन में प्रकट किए। इस समारोह का आयोजन रोटरी एंड ब्लड बैंक सोसायटी, चण्डीगढ़ द्वारा पंजाब विश्वविद्यालय में किया गया था। राज्यपाल ने कहा कि रक्त की जरूरत दिनांदिन बढ़ती जा रही है। अस्पताल में दाखिल दस में से एक व्यक्ति के जीवन की रक्षा के लिए रक्त की जरूरत पड़ती है और हर दो सैंकिंड में किसी न किसी को रक्त की जरूरत पड़ती है जबकि रक्त को कृत्रिम ढंग से बनाया नहीं जा सकता। इसके लिए हम केवल रक्तदाताओं पर ही निर्भर हैं। उन्होंने कहा कि रक्त का महत्व आक्सीजन से कम नहीं है। जिस प्रकार आक्सीजन के बिना जिंदा नहीं रहा जा सकता उसी प्रकार रक्त के बिना भी जीवन नहीं चल सकता। इसलिए रक्तदाता उच्चकोटि के आदर्श मानव हैं जो दूसरों के लिए जीते हैं। उन्होंने इन रक्तदाताओं के जज्बे को सलाम करते हुए कहा कि इन्होंने असंख्य लोगों का जीवन बचाया है। इसलिए समाज ऐसे व्यक्तियों का ऋणी है। समारोह में रक्तदाताओं का अभिनन्दन करते हुए राज्यपाल ने कहा कि ट्राइसिटी के नागरिक भारत की महान संस्कृति के परिचायक हैं, क्योंकि इन्होंने कभी भी रक्त की कमी नहीं होने दी। उन्होंने 50 से अधिक बार रक्तदान करने वाले व एक साल में चार बार रक्तदान करने वाले रक्तदाताओं और सालभर रक्तदान शिविर आयोजित करने वाली समाजसेवी संस्थाओं को सम्मानित किया। उन्होंने रोटरी एंड ब्लड बैंक सोसायटी, चण्डीगढ़ की स्मारिका का विमोचन भी किया।

इससे पहले रोटरी एंड ब्लड बैंक सोसायटी, चण्डीगढ़ की प्रशासनिक समिति के अध्यक्ष आर० के० साबू ने राज्यपाल व रक्तदाताओं का स्वागत किया और संस्था के कार्यक्रमों की जानकारी दी। संस्था की प्रबंध समिति के चेयरमेन अनिल नेहरू से सबका धन्यवाद किया।

इस अवसर पर पंजाब विश्वविद्यालय के कुलसचिव आर० एस० चड्ढा और नगर के अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।



